

घोटे ना मेरी भाँग

गोरा के तन्ने हठ करली, तूँ क्योँ घोटे ना मेरी भाँग,
घोटे ना मेरी भाँग गोरा घोटे ना मेरी भाँग,
गोरा के तन्ने हठ करली.....

भोले चाली में पीहर ने,तेरा यो रोज रोज का काम,
रोज रोज का काम भोले रोज रोज का काम,
भोले चाली में पीहर ने.....

क्योँ जावे तू अपने पीहर भाँग ने कर बदनाम,
घोट घोट के हारी भोले,हो गई मैं परेशान,
के तन्ने सौतन लागन लागी,गोरा मेरी या भाँग,
मेरे ते ना घोटी जावे,तेरा भोले रोज रोज का काम,

बिना भाँग ना लागे समाधि,सुन ले मेरी तूँ बात,
तन्ने तरस ना आवे भोले,दुखन लागे मेरे हाथ,
ना रुस्या कर गोरा मेरी,प्यादे घोट के भाँग-२,
तेरी आज सुनु ना भोले,तेरा यो रोज रोज का काम,

तूँ कहवे तो छोड़ द्यूँ गोरा भाँग पीन की बान,
मैं जानू स्यु तन्ने भोले बिना भाँग ना आराम,
जाइये मतना मन्ने छोड़ गोरा,ना माँगू इब भाँग-२,
भोले ना जाऊ मैं पीहर,तन्ने कोन घोट देवे भाँग,

लेखक :- रोशनस्वामी"तुलसी"
9887339360-9610473172

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/6080/title/gora-ke-tane-hath-karli-tu-kyu-ghote-na-meri-bhaang>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |